4. Throw light on musical development of Flute & Santoor. 6

OR

Throw light on musical development of Sitar and Violin.

5. Give your views on utility of sound equipments during stage performance. 06

OR

Write short notes on **any three**:-
Mike, Mixer, Reverb, Amplifier.

6. Describe stylistic features of Maihar gharana of Baba Allauddin Khan. 06

OR

Give stylistic introduction of one each of Shehnai and Violin player.

xx

IKSV MMXVI-XVII 2

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016

गायन/स्वर वाद्य

प्रथम प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः– सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है । प्रश्न सं. 1 के लिए पाँच अंक तथा शेष प्रत्येक प्रश्न के लिए छः अंक निर्धारित हैं ।

***

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः– **05**

अ– ध्रुपद गायन की प्रमुख------बानियाँ हैं ।

ब– इं.क.सं. वि. खैरागढ़ के प्रथम कुलपति मूर्धन्य गायक तथा पं. भातखण्डे जी के शिष्य------- थे ।

स– पोलार पैटर्न के द्वारा----नामक ध्वनि उपकरण की विशिष्टता पहचानी जाती है ।

द– पं. रवीन्द्र नाथ टैगोर ने रवीन्द्र संगीत में कुल----नवीन तालों की रचना की ।

इ– नोमतोम् के आलाप ख्याल के----घराने की विशेषता है ।

फ– उस्ताद विलायत हुसैन खान ख्याल के----घराने के गायक थे ।

क– 'मुसलमान और भारतीय संगीत' ग्रंथ के लेखक----- हैं ।

ख– डॉ. सत्यभान शर्मा विशेष रूप से----विधा के गायक हैं ।

ग– रबाब नामक लोकवाद्य का विकसित स्वरूप----नामक वाद्य है ।

घ– 'संगीताजली' ग्रंथ के रचयिता ----- हैं ।

2. जयपुर तथा आगरा घराने की विशेषताओं का तुलनात्मक विवेचन कीजिये । 6

अथवा

ध्रुपद की वर्तमान प्रचलित परम्पराओं का संक्षिप्त विवेचन कीजिये ।

3. विलियम जोन्स के सांगीतिक योगदान पर प्रकाश डालिये । 6

अथवा

डॉ. प्रेमलता शर्मा के सांगीतिक योगदान पर प्रकाश डालिये ।

4. बाँसुरी तथा संतूर के सांगीतिक विकास पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

सितार तथा बेला के सांगीतिक विकास पर प्रकाश डालिये ।

5. आधुनिक ध्वनि उपकरणों की मंचीय प्रस्तुति में उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिये । 06

अथवा

किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिये:-

माइक, मिक्सर, रिवर्ब, एम्प्लीफायर ।

6. बाबा अलाउद्दीन खाँ के मैहर घराने का शैलीगत वर्णन कीजिये । 06

अथवा

बेला और शहनाई के एक-एक वादक का शैलीगत परिचय दीजिये ।

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

Gayan/ Swar Vadya

Paper-I

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions. Question No. 1 carries five marks and remaining each question carries six marks.

***

1. **(I) Fill in the blanks:-** 05

(a) There are___Banis of Dhrupad style of singing.

(b) The legendary singer and disciple of Pt. Bhatkhande ji___ was the first V.C. of I.K.S.V.Khairagarh.

(c) Speciality of___sound equipment is identified by Polar Patterns.

(d) Total___new talas were created by Pt. Ravindra Nath Tagore in Ravindra Sangeet.

(e) Alap of Nom-Tom is the speciality of___gharana of Khayal singing.

(f) Ustad Vilayat Hussain Khan of Khayal singing was singer of___ gharana.

(g) Writer of 'Muslmaan Aur Bhartiya Sangeet' book is_____.

(h) Dr. Satyabhan Sharma is specially known as a singer of__singing style.

(i) ____instrument is a modified form of folk instrument Rabaab.

(j) ___is writer of 'Sangeetanjali' book.

2. Give comparative explaination of special characteristics of Jaipur and Agra gharana. 6

OR

Give brief description of today's tradition of Dhrupad singing.

3. Throw light on musical contribution of William Johns. 6

OR

Throw light on musical contribution of Dr. Premlata Sharma.

5. Explain Kanhada ragang with examples. 06

OR

Explain Shuddha, Chhayalag and Sankeerna raag classification with examples.

6. Compose and write in notation any one of the lyrics or Bols of instrument in any raag from your syllabus:- 06

(i) जा जा रे तू जा रे, लेता जा संदेसवा
फेर आयो रे सांवरो सहेलवा ।
जोग सिखावन को पठायो
नीको ना लागो सीख ये बमनवा ।।

(ii) मनवा आराधे री प्रभु को,
उबारे भव की पीड़ा से मोको ।
भव के सारे सुख औ दुखवा से
पार उतारो मोको ।।

(iii) दा दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा ऽ दा रा दा दिर दा रा
दा दिर दा दा ऽर दा दा रा दा दिर दिर दिर दा रदा ऽरा दा
दा दिर दा रा दा दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा दिर दा रा
ऽ दिर दा रा ऽ दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा रदा ऽरा दा

(iv) दा दिर दिर दा ऽर दा दा रा दा दिर दा रा
दा दिर दिर दिर दिर दिर दा ऽर दा दिर दा रा
दा ऽर दा दा ऽ दा दा दिर दिर दिर दा रा
दा दिर दिर दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा रा

xx

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

गायन/स्वर वाद्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्नों को हल कीजिये ।

1. **सत्य अथवा असत्य लिखियेः-** 05

अ- गुर्जरी तोड़ी में अल्प पंचम का प्रयोग होता है ।
ब- राग विभास में रे, ध स्वर कोमल लगते हैं ।
स- राग भटियार उत्तरांग प्रधान राग माना जाता है ।
द- सवागुन का अर्थ है 4/5 ।
इ- नी प संगति केवल कान्हड़ा अंग की मानी जाती है ।
फ- बिलासखानी तोड़ी आसावरी थाट का राग है ।
क- राग मधुकौंस में शुद्ध मध्यम प्रयुक्त होता है ।
ख- राग मुल्तानी प्रातः गेय राग है ।
ग- दरबारी में अति कोमल गन्धार प्रयोग किया जाता है ।
घ- बागेश्री में अल्प पंचम प्रयोग किया जाता है ।

2. निम्न रागों में से किन्हीं दो रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण देते हुए उनका चलन लिखियेः- 06
बागेश्री, भटियार, मधुवंती

अथवा

गुर्जरी तोड़ी एवं बिलासखानी तोड़ी की तुलना कीजिये ।

3. भारतीय संगीत पर हुए पाश्चात्य संगीत के प्रभाव पर अपने विचार लिखिये । 06

अथवा

स्टाफ नोटेशन पद्धति की विशेषताएँ लिखिये ।

4. अंकों के माध्यम से डेढ़गुन(3/2) तथा पौनगुन(3/4) की लयकारी को उदाहरण सहित समझाइये तथा तीनताल को डेढ़गुन में लिखिये । 06

अथवा

एकताल को डेढ़गुन में और रूपक को पौनगुन में लिखिये ।

5. कान्हड़ा रागांग को उदाहरण सहित समझाइये । 06

अथवा

शुद्ध, छायालग तथा संकीर्ण राग वर्गीकरण को उदाहरण सहित समझाइये ।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी राग में स्वरलिपिबद्ध कीजियेः- 06

(i) जा जा रे तू जा रे, लेता जा संदेसवा
फेर आयो रे सांवरो सहेलवा ।
जोग सिखावन को पठायो
नीको ना लागो सीख ये बमनवा ।।

(ii) मनवा आराधे री प्रभु को,
उबारे भव की पीड़ा से मोको ।
भव के सारे सुख औ दुखवा से
पार उतारो मोको ।।

(iii) दा दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा ऽ दा रा दा दिर दा रा
दा दिर दा दा ऽर दा दा रा दा दिर दिर दिर दा रदा ऽरा दा
दा दिर दा रा दा दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा दिर दा रा
ऽ दिर दा रा ऽ दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा रदा ऽरा दा

(iv) दा दिर दिर दा ऽर दा दा रा दा दिर दा रा
दा दिर दिर दिर दिर दिर दा ऽर दा दिर दा रा
दा ऽर दा दा ऽ दा दा दिर दिर दिर दा रा
दा दिर दिर दिर दा रा दा दिर दिर दिर दा रा

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

Gayan/ Swar Vadya

Paper-II

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Answer all questions.

1. Write True or False:- 05
(a) Alpa Pancham is used in Gurjari Todi.
(b) Re, dha swar are komal in Raag Vibhas.
(c) Raag Bhatiyar is an uttarang Pradhan Raag.
(d) Sawagun mean 4/5.
(e) Ni Pa phrase is named of Kanhada only.
(f) Bilaskhani Todi is a raag of Asawari Thata.
(g) Shuddha madhyam is used in raag Madhukauns.
(h) Raag Multani is a morning raag.
(i) Ati Komal gandhar is used in Darbari.
(j) Alp Pancham is used in Bageshri.

2. Write detailed theoritical description of any two ragas from the following and write their chalan:- 06
Bageshri, Bhatiyar, Madhuwanti.

OR

Compare Gurjari Todi and Bilaskhani Todi.

3. Write your views on the impact of Western music over Indian music. 06

OR

Write characteristics of Staff Notation system.

4. Explain Layakaries of 3 in 2(Dhedgun) and 3 in 4 (Paungun) with the help of digits giving examples and write Dhedhgun of Teental. 06

OR

Write Ektal in Dhedhgun and Roopak in Paungun.

-4-

(i) Narrator of Sangit Ratnakar:-

(i) Kallinath (ii) Kali Prasad (iii) Abhinav gupt (iv) Sripad Vallabh

(j) Author of Chaturdandi Prakashika:-

(i) Chatur Kallinath (ii) Chatur Pandit

(iii) Venkat Makhi (iv) Venkat Subramaniyam

2. Give a life sketch of Sharangdev and Parshwadev. 06

OR

Give a life sketch of Bharat and Laxmi Narayan.

3. Describe any four avanaddha vadyas in detail as described in Radha Govind Sangit Saar. 06

OR

Write a detail note on the Taal system described in Sangit Kaladhar.

4. Write a critical note on Tabla ka Udgam, Vikas evam Vadan shailiyan. 06

OR

Write a descriptive note on 'Bhartiya Talon ka Shastriya Vivechan.'

5. Describe the specialities of "Tabla Vadan Kala aur Shastra". 06

OR

Write a detailed note on the book "Taalkosh".

6. Describe the salient features of Natyashastra. 06

OR

Describe the 'Marg' and 'Deshi' taal system on the basis of Sangit Ratnakar.

xx

IKSV MMXVI-XVII 6

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

तबला

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. अ- अहोबल कृत ग्रंथ का नामः-

(i) संगीत अहोबल (ii) संगीत पारिजात

(iii) संगीत अभिजात (iv) संगीत परिमल

ब- इस ग्रंथ को सप्ताध्यायी नाम से भी जाना जाता हैः-

(i) नाट्यशास्त्र (ii) संगीत मार्तण्ड

(iii) संगीत रत्नाकर (IV) संगीत सागर

स- 'भारतीय संगीत में ताल, छन्द और रूप विधान' पुस्तक की लेखिकाः-

(i) डॉ. योगमाया शुक्ला (ii) डॉ. सुभद्रा सत्संगी

(iii) डॉ. सुलोचना बृहस्पति (IV) डॉ. सुभद्रा चौधरी

द- निम्न में से कौन सी पुस्तक पं. गिरिशचंद्र श्रीवास्तव ने नहीं लिखी हैः-

(i) तालकोश (ii) ताल परिचय भाग दो

(iii) ताल प्रवेशिका (IV) तबला शास्त्र

इ- 'तबला पुराण' के अनुसार सिद्धार खाँ पुत्र थेः-

(i) रहमान खाँ के (ii) रहीम खाँ के

(iii) विलायत अली के (IV) रहीम सेन के

फ- संगीत समयसार के ग्रंथकारः-

(i) लक्ष्मीनारायण (ii) बृहस्पति (iii) पार्श्वदेव (IV) वेंकटमखी

क- संगीत सूर्योदय का प्रथम अध्याय हैः-

(i) स्वराध्याय (ii) तालाध्याय (iii) गत-अध्याय (IV) नृत्याध्याय

ख- संगीत कलाधर मूलतः लिखा गया थाः-

(i) मराठी भाषा में (ii) हिन्दी भाषा में

(iii) कन्नड़ भाषा में (IV) गुजराती भाषा में

ग- संगीत रत्नाकर के भाष्यकार (टीकाकार):-

(i) कल्लिनाथ (ii) काली प्रसाद

(iii) अभिनवगुप्त (IV) श्रीपाद वल्लभ

घ- चतुर्दण्डी प्रकाशिका के लेखक:-

(i) चतुर कल्लिनाथ (ii) चतुर पंडित

(iii) वेंकटमखी (IV) वेंकट सुब्रमण्यम

2. शारंगदेव तथा पार्श्वदेव का जीवन परिचय दीजिये । 06

अथवा

भरत एवं लक्ष्मी नारायण का जीवन परिचय लिखिये ।

3. राधा गोविन्द संगीतसार में वर्णित किन्हीं चार अवनद्ध वाद्यों का विस्तृत वर्णन कीजिये । 06

अथवा

संगीत कलाधर में वर्णित ताल पद्धति को विस्तार से समझाइये ।

4. 'तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियाँ पुस्तक पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिये । 06

अथवा

'भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन' ग्रंथ पर विवेचनात्मक टिप्पणी लिखिये ।

5. तबला वादन कला और शास्त्र पुस्तक की विशेषताओं को समझाइये । 06

अथवा

'तालकोश' पुस्तक पर विस्तृत टिप्पणी कीजिये ।

6. 'नाट्यशास्त्र' की प्रमुख विशेषताओं को समझाइये । 06

अथवा

'संगीत रत्नाकर' के आधार पर मार्ग और देशी ताल पद्धति को समझाइये ।

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

TABLA

Paper-I

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note: All questions are compulsory.

1. (a) Title of the text written by Ahoble:-

(i) Sangit Ahoble (ii) Sangit Parijat

(iii) Sangit Abhijat (iv) Sangit Parimal

(b) The text is also known as Saptadhyayi:-

(i) Natyashastra (ii) Sangit Martand

(iii) Sangit Ratnakar (iv) Sangit Sagar

(c) Who is the author of Bhartiya Sangit mein Taal, Chhand aur Roop vidhan?

(i) Dr. Yogmaya Shukla (ii) Dr. Subhadra Satsangi

(iii) Dr. Sulochana Brihaspati (iv) Dr. Subhadra Chaudhary.

(d) Which of the following book is not written by Pt. Girish Chandra Shrivastava:-

(i) Taal Kosh (ii) Taal Parichay Part-II

(iii) Taal Praveshika (iv) Tabla Shastra.

(e) According to Tabla Puran, Siddhar Khan was the son of:-

(i) Rehman Khan (ii) Raheem Khan (iii) Vilayat Ali (iv) Raheem Sen

(f) Author of Sangit Samay Sar?

(i) Laxmi Narayan (ii) Brihaspati

(iii) Parshwadev (iv) Venkat Makhi

(g) First chapter of Sangit Suryodaya:-

(i) Swaradhaya (ii) Taaladhyaya

(iii) Gat-Adhyaya (iv) Nrityadhayaya

(h) Sangit Kaladhar is originally written in:-

(i) Marathi (ii) Hindi (iii) Kannad (iv) Gujarati

2. Describe the Gat in detail and write notation of any 3 Gats of different types. 06

OR

Describe the Peshkar in detail with example.

3. Write your views with example on the Non-expandable composition of Tabla. 06

OR

Write in notation:-

(a) One Gat in Matt taal

(b) One Farmaishi Chakradar in Sawari

(c) One Kamali Chakradar in Jhaptal.

4. Clarify the difference between Quaida and Rela with example. 06

OR

Write a note on importance of Tihai in music in detail.

5. Describe Laggi-Ladi with example and throw light on its use in music. 06

OR

Explain Rang-Rela and Gat-tukda with example.

6. What do you mean by Chakra of Thirty two tihaies? Write one tihai each in notation on the above chakra starting from 5^{th}, 7^{th} and 16^{th} matra of tritaal. 06

OR

Describe the Chakradar Tihai in detail and write notation of any 2 Chakradar Tihaies in different talas.

xx

IKSV MMXVI-XVII 8

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

तबला

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

***

1. सही विकल्प चुनियेः- 05

अ- तबला या पखावज की बंदिश को चार लय में प्रस्तुत करने को क्या कहेंगेः-

(i) उठान (ii) चौपल्ली (iii) नौहक्का (IV) मुखड़ा

ब- विश्राम या ठहराव रहित बजाये जाने वाली तिहाई को क्या कहते हैंः-

(i) चक्रदार (ii) दमदार (iii) नौहक्का (IV) बेदम

स- विस्तारशील रचना हैः-

(i) बांट (ii) टुकड़ा (iii) परन (IV) फर्द

द- पूर्व संकल्पित रचना कौन सी नहीं हैः-

(i) नौहक्का (ii) परन (iii) टुकड़ा (IV) पेशकार

इ- कमाली चकरदार में दूसरा धा जो सम पर आता है वो धा की श्रेणी में कौन सा हैः-

(i) 13 (ii) 14 (iii) 15 (IV) 16

फ- 32 तिहाईयों के चक्र के प्रणेता हैंः-

(i) आचार्य विष्णुगुप्त (ii) भरतमुनि (iii) आचार्य बृहस्पति (IV) मतंग

क- गत का एक प्रकार हैः-

(i) फर्द (ii) मार्जना (iii) लाल किला (IV) लोम-विलोम

ख- मत्ततात में फर्माइशी चक्रदार का पहला 'धा' आयेगाः-

(i) 9 वीं मात्रे पर (ii) 10 वीं मात्रे पर

(iii) 13 वीं मात्रे पर (IV) 18 वीं मात्रे पर।

ग- कमाली चक्रदार हेतु आवश्यक न्यूनतम ताल आवर्तनः-

(i) 03 (ii) 05 (iii) 06 (IV) कोई नहीं

घ- सुगमसंगीत के साथ प्रयुक्त रचनाः-

(i) लग्गी (ii) बांट (iii) रंगरेला (IV) टुकड़ा

2. गत को समुचित रूप से परिभाषित कीजिये और तीन विभिन्न प्रकार की गतों को लिपिबद्ध कीजिये । 06

अथवा

पेशकार को सोदाहरण समुचित रूप से परिभाषित कीजिये ।

3. 'तबले की अविस्तारशील बंदिशें' इस विषय पर सोदाहरण अपने विचार लिखिये । 06

अथवा

निम्नानुसार लिपिबद्ध कीजिये:-

अ- मत्ततात में एक गत

ब- सवारी ताल में एक फर्माइशी चक्रदार

स- झपताल में एक कमाली चक्रदार ।

4. कायदा और रेला का एक-एक उदाहरण देते हुए इनके अन्तर को स्पष्ट कीजिये । 06

अथवा

संगीत में तिहाई के महत्व के विषय में विस्तार से समझाइये ।

5. लग्गी-लड़ी को सोदाहरण समझाते हुए इनके संगीत में उपयोग पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

रंगरेला और गतटुकड़ा को सोदाहरण समझाइये ।

6. 'बत्तीस तिहाईयों के चक्र' से आप क्या समझते हैं ? समझाइये तथा त्रिताल में उक्त चक्र के आधार पर पांचवी, सातवीं और सोलहवीं मात्रा से प्रारंभ होने वाली एक-एक तिहाई लिपिबद्ध कीजिये । 06

अथवा

चक्रदार तिहाई को समुचित रूप से परिभाषित कीजिये और दो अलग-अलग तालों में चक्रदार तिहाइयों को लिपिबद्ध कीजिये।

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

TABLA

Paper-II

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions.

***

1. Choose right option:- 05

(a) What is known as playing Tabla and Pakhawaj compositions in four laya?

(i) Uthan (ii) Choppalli (iii) Nouhakka (iv) Mukhda

(b) Tihai played without Vishram or Thharaav is known as:-

(i) Chakradar (ii) Damdaar (iii) Nouhakka (iv) Bedam

(c) The Vishtarshil compositions is:-

(i) Bant (ii) Tukda (iii) Paran (iv) Fird

(d) Which one of the following is not a pre-conceived creation?

(i) Nouhakka (ii) Paran (iii) Tukda (iv) Peshkar

(e) The second Dha which comes on sam in Kamali Chakkardar comes in which category of Dha?

(i) 13 (ii) 14 (iii) 15 (iv) 16

(f) The founder of 32 Tihais chakra is:-

(i) Acharya Vishnugupta (ii) Bharat Muni

(iii) Acharya Brihaspati (iv) Matang

(g) A kind of Gat is:-

(i) Fard (ii) Marjana (iii) Lalkila (iv) Lom-Vilom

(h) In Matta tal first 'Dha' of Farmaishi Chakradar will come on:-

(i) 9^{th} matra (ii) 10^{th} matra (iii) 13^{th} matra (iv) 18^{th} matra

(i) Minimum Taal Avartan required for Kamali Chakradar:-

(i) 03 (ii) 05 (iii) 06 (iv) None of them.

(j) Composition used with Sugam Sangeet is:-

(i) Laggi (ii) Bant (iii) Rangrela (iv) Tukda

4. Write the short notes (any two):- 06
(a) Mukh-Rag (b) Saushathava (c) Vritti

OR

Explain the important of Drishti in Bhav-Paksha of Kathak.

5. Explain the importance of Sound and Light arrangement in Kathak presentation. 06

OR

Explain the role of background music in Kathak dance presentation.

6. Describe the aesthetics of Kathak dance. 06

OR

Explain the importance of physical beauty in the concept of aesthetics in Kathak dance.

xx

IKSV MMXVI-XVII 10

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016

कथक नृत्य

प्रथम प्रश्न पत्र

कथक नृत्य के सौन्दर्यात्मक तत्त्व

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः– प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करें ।

1. हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः– 05

अ– आचार्य भट्ट लोलट ने रस सूत्र की समीक्षा की है ।
ब– नाट्यशास्त्रानुसार रस नौ प्रकार के होते हैं ।
स– 'वृत्ति' तीन प्रकार की होती है ।
द– भावों की अभिव्यक्ति में 'दृष्टि' का महत्वपूर्ण स्थान है ।
इ– रससूत्र में भाव का महत्व है ।
फ– मुखराग तीन प्रकार के होते हैं ।
क– कथक नृत्य प्रदर्शन में घुंघरूओं का महत्व नहीं है ।
ख– मृदंग कथक नृत्य में बजाया जाता है ।
ग– बसंत ताल में 10 मात्रा होती है ।
घ– कथक नृत्य प्रदर्शन में प्रकाश व्यवस्था का महत्व है ।

प्रत्येक इकाई में से एक-एक प्रश्न हल करें ।

इकाई–1

2. सौन्दर्यशास्त्र संबंधित किन्ही दो पाश्चात्य विद्वानों के मत की व्याख्या कीजिये । 06

अथवा

आचार्य श्री शंकुक अथवा अभिनवगुप्त नायक के रस सूत्र की समीक्षा कीजिये ।

इकाई–2

3. नाट्यशास्त्रानुसार रस–निष्पत्ति एवं उनके किन्हीं तीन प्रकारों को समझाइये । 06

अथवा

नाट्यशास्त्रानुसार भाव एवं उनके प्रकारों को समझाइये ।

इकाई-3

4. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये(किन्हीं दो पर):- 06

अ- मुखराग ब- सौष्ठव स- वृत्ति ।

अथवा

कथक नृत्य के भावपक्ष में दृष्टि के महत्व को समझाइये ।

इकाई-4

5. कथक नृत्य प्रदर्शन में ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था के महत्व को समझाइये । 06

अथवा

कथक नृत्य प्रदर्शन में वाद्य वृन्द(पार्श्व संगीत) की भूमिका समझाइये ।

इकाई-5

6. कथक नृत्य के सौन्दर्य बोध की व्याख्या कीजिये । 06

अथवा

कथक नृत्य के सौन्दर्य बोध में "शारीरिक सौन्दर्य का महत्व" समझाइये ।

IKSV MMXVI-XVII 11

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

KATHAK DANCE

Paper-I

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : First question is compulsory. Attempt one question from each section.

1. Answer Yes or No:- 05

(a) Acharya Bhatt Lolat has critically evaluated the Ras-Sutra.

(b) There are nine types of Ras accoding to Natyashastra.

(c) There are three types of Vritti.

(d) Drishti is most important in presentation of Bhav.

(e) Bhavas are important in Rasa-Sutra.

(f) There are three types of Mukh-rag.

(g) The Ghungharus are not important in Kathak dance.

(h) Mridang is played in Kathak dance.

(i) There are 10 matras in Basant Tal.

(j) The light arrangement is important in Kathak dance.

Attempt one question from each unit.

2. Describe the opinion of two Western scholar about Aesthetics (Saundarya Shastra). 06

OR

Critically explain the Rasa Sutra of Acharya Shri Shankuka or Abhinava Gupta.

3. Explain the Ras-Nishpatti and any three of its varieties according to Natyashastra. 06

OR

Explain the Bhav and its varieties according to Natyashastra.

-4-

4. Describe 'Nritta' and 'Nritya'. 05

OR

Compare 'Natya' and 'Nritya'.

5. Write in notation one Paran and one Tihai in Tal Basant. 05

OR

Write in notation one Chakkardar Toda and one Amad in Tal Trital.

6. Choreograph Draupadi Vastra haran dance drama based on following points:- 05

1. Story 2. Stage arrangement 3. Selection of characters 4. Make-up 5. Music 6. Rhythm& Rasa.

OR

Choreograph Sita haran dance drama based on following points-

1. Story 2. Stage arrangement 3. Selection of characters 4. Make-up 5. Music 6. Rhythm& Rasa.

xx

IKSV MMXVI-XVII 12

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

कथक नृत्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

कथक नृत्य का शास्त्रीय एवं प्रायोगिक सिद्धान्त-3

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना है ।

1. हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः- 10

अ- अतीत ग्रह में सम से पहले सम दर्शाया जाता है ।
ब- किंकिणी लक्षण अभिनव भारती में वर्णित है ।
स- अंजलि नृत्त हस्त है ।
द- मण्डल पाद भेद का प्रकार है ।
इ- पात्र लक्षण अभिनय दर्पण में वर्णित है ।
फ- नृत्त लयताल पर आधारित है ।
क- करण 108 प्रकार के होते हैं ।
ख- नृत्त व नृत्य में कोई अन्तर नहीं है ।
ग- द्रौपदी वस्त्रहरण में शिव पार्वती से संबंधित कथा है ।
घ- ताल बसन्त में दो खाली हैं ।

प्रत्येक इकाई में से एक-एक प्रश्न हल करें ।

इकाई-1

2. नृत्त हस्त का संक्षिप्त वर्णन कीजिये । 05

अथवा

अभिनय दर्पण के अनुसार पात्र-लक्षण तथा किंकिणी लक्षण का वर्णन कीजिये ।

इकाई-2

3. नाट्यशास्त्र के अनुसार किन्हीं पाँच करण का वर्णन कीजिये । 05

अथवा

नाट्यशास्त्र के अनुसार किन्हीं पाँच अंगहार का वर्णन कीजिये ।

इकाई–3

4. नृत्त एवं नृत्य का वर्णन कीजिये । 05

अथवा

नाट्य व नृत्य की तुलना कीजिये ।

इकाई–4

5. ताल बसंत में एक परन व एक तिहाई लिपिबद्ध कीजिये । 05

अथवा

ताल तीनताल में एक चक्करदार तोड़ा व एक आमद लिपिबद्ध कीजिये ।

इकाई–5

6. द्रौपदी वस्त्रहरण नृत्य नाटिका की निम्न बिन्दुओं के आधार पर संरचना कीजियेः– 05

1.कथावस्तु 2. रंगमंच व्यवस्था 3. पात्र चयन
4. रूपसज्जा 5. संगीत 6. ताल एवं रस ।

अथवा

सीताहरण नृत्य नाटिका की निम्न बिन्दुओं के आधार पर संरचना कीजियेः–

1.कथावस्तु 2. रंगमंच व्यवस्था 3. पात्र चयन
4. रूपसज्जा 5. संगीत 6. ताल एवं रस ।

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

KATHAK DANCE

Paper-II

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : First question is compulsory. Attempt one question from all other units.

***

1. Answer 'Yes' or 'No':- 10

(a) Ateet Graha Sam is depicted before Sam.

(b) Kinkini Lakshan is described in Abhinava Bharti.

(c) Anjali is a Nritta hasta.

(d) Mandal is a kind of Pad bheda.

(e) Patra lakshan is described in Abhinaya Darpan.

(f) Nritta is based on Laya Tal.

(g) There are 108 kinds of Karan.

(h) There is no difference between Nritta and Nritya.

(i) DraupadiVastra haran story is related to Shiva-Parvati.

(j) There are two Khali in Tal Basant.

Attempt one question from each unit.

2. Describe Nritta hasta in brief. 05

OR

Describe Patra Lakshan and Kinkini Lakshan according to Abhinaya Darpan.

3. Describe any five Karan according to Natyashastra. 05

OR

Describe any five Anghara according to Natyashastra.

4. Explain the importance of dance in painting. 06

OR

Describe the relation between sculpture and dance.

5. Write the history and development of Kuchipudi dance. 06

OR

Describe the repertoire and Aharya of Mohiniattam.

6. Write the history and development of Satriya. 06

OR

Describe the repertoire and orchestra of Odissi dance.

xx

IKSV MMXVI-XVII 14

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

भरतनाट्यम

प्रथम प्रश्न पत्र

(भारतीय नृत्य का इतिहास और विकास-2)

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. **हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः-** 05

अ- मुगल काल में मोहिनीअट्टम् सर्वाधिक लोकप्रिय नृत्य शैली थी ।
ब- 'सिलप्पदिकारम्' के लेखक महाराजा स्वाति तिरुनाल हैं ।
स- मंगलाचरण ओड़िसी नृत्य में किया जाता है ।
द- कुचिपुड़ी नृत्य का समापन तिल्लाना से होता है ।
इ- भरतनाट्यम में तरंगम् किया जाता है ।
फ- वेमपट्टि चिन्न सत्यम् कथकलि के गुरु थे ।
क- भामा कलापम् के रचनाकार मुत्तुस्वामी दीक्षितर हैं ।
ख- सत्रिय नृत्य नागालैण्ड का है ।
ग- मोहिनीअट्टम् नृत्य शैली कर्नाटक प्रदेश की है ।
घ- ओड़िसी नृत्य में चांदी के आभूषण पहने जाते हैं ।

इकाई-1

2. हर्षवर्धन काल एवं राजपूत काल में नृत्य की स्थिति का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

आधुनिक काल में नृत्य की स्थिति का वर्णन कीजिये ।

इकाई-2

3. सिलप्पदिक्कारम् का कथानक लिखिये । 06

अथवा

चोल एवं पल्लव शासनकाल में नृत्य के विकास का वर्णन कीजिये ।

इकाई–3

4. चित्रकला में नृत्य के महत्व को समझाइये । 06

अथवा

मूर्तिकला और नृत्य के सम्बन्ध की व्याख्या कीजिये ।

इकाई–4

5. कुचिपुड़ी नृत्य के इतिहास एवं विकास को लिखिये । 06

अथवा

मोहिनीआट्टम् नृत्य के प्रस्तुतिक्रम एवं वेशभूषा का वर्णन कीजिये ।

इकाई–5

6. सत्रिय का इतिहास एवं विकास लिखिये । 06

अथवा

ओड़िसी नृत्य के प्रस्तुतिक्रम एवं वाद्यवृन्द का वर्णन कीजिये ।

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

BHARATNATYAM

Paper-I

HISTORY & DEVELOPMENT OF INDIAN DANCE-2

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Answer All the questions.

1. **Answer in Yes or No:-** **05**

2. Describe the status of dance during Harshavardhan era and Rajput age. 06

OR

Describe the status of dance in modern times.

3. Write the story of Silappadikkaram. 06

OR

Describe the development of dance during Chola and Pallava rulers era.

4. Describe Lokdharmi and Natyadharmi according to Natyashastra. 06

OR

Describe Pravritties as given in Natyashastra.

5. Decribe all the Mandal bhedas with shloka and meaning according to Abhinaya Darpanam. 06

OR

Describe Drishtibheda viniyogas with shlokas according to Abhinaya Darpanam.

6. Choreography of dance drama- any one 06
(a) Seeta Haran
(b) Draupadi Vastra Haran.

xx

IKSV MMXVI-XVII 16

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

भरतनाट्यम

द्वितीय प्रश्न पत्र

(नृत्य से संबंधित शास्त्रगत व प्रायोगिक सिद्धान्त-3)

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. **एक वाक्य में उत्तर दीजियेः-** 05
अ- ऋग्वेद से कौन सी वृत्ति संबंधित है ।
ब- नाट्यशास्त्र के किस अध्याय में वृत्ति का वर्णन किया गया है ।
स- भाव प्रकाशन के रचयिता का नाम लिखिये ।
द- प्रवृत्तियाँ कितने प्रकार की होती हैं ? नाम लिखिये ।
इ- रावण का दूसरा नाम क्या है ?
फ- प्रिय के स्वागत हेतु श्रृंगार करने वाली नायिका क्या कहलाती है ?
क- धीरललित नायक का एक उदाहरण दीजिये ।
ख- अभिनय दर्पण के अनुसार मण्डल कितने प्रकार के होते हैं ।
ग- अवस्था के अनुसार नायक कितने प्रकार के होते हैं ।
घ- द्रौपदी किनकी पुत्री है ?

इकाई-1

2. अष्टनायिका भेदों को सविस्तार समझाइये । 06

अथवा

अभिनय दर्पण के अनुसार पात्र लक्षण एवं वर्जनीय पात्रों का वर्णन कीजिये ।

इकाई-2

3. संगीत रत्नाकर के नृत्याध्याय का संक्षिप्त परिचय दीजिये । 06

अथवा

भाव प्रकाशन का वर्णन कीजिये ।

इकाई–3

4. नाट्यशास्त्र के अनुसार लोकधर्मी एवं नाट्यधर्मी का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रवृत्ति विस्तार से लिखिये ।

इकाई–4

5. अभिनय दर्पण के अनुसार सभी मण्डल भेदों को श्लोक व अर्थ सहित लिखिये। 06

अथवा

अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टि भेदों के विनियोगों को श्लोक सहित लिखिये ।

इकाई–5

6. नृत्य नाटिका की संरचना – कोई एक 06

अ– सीताहरण

ब– द्रौपदी वस्त्रहरण

IKSV MMXVI-XVII 17

M.A.THIRD SEMESTER, EXAM. DEC-2016

BHARATNATYAM

Paper-II

THE THEORETICAL & PRACTICAL ASPECTS RELATED TO DANCE-3

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions.

1. **Answer in one sentence:-** **05**

(a) Which Vritti is related to Rigveda.

(b) In which chapter of Natyashastra is Vritti decribed.

(c) Write the name of the writer of Bhava Prakashan.

(d) How many types of pravrittis are there? Write their names.

(e) What is the other name of Ravana.

(f) What is the Nayika known as who decorates herself to welcome her beloved.

(g) Give one example of Dheerlalit Nayak.

(h) How many types of mandal are there according to Abhinaya Darpana.

(i) According to Avastha, how many types of Nayak are there.

(j) Whose daughter is Draupadi.

2. Explain Ashtanayika Bhedas in detail. 06

OR

Describe Patra Lakshana and Varjaniya patra according to Abhinaya darpan.

3. Give an introduction of the Nrittadhyay of Sangeet Ratnakar in brief. 06

OR

Describe Bhav-Prakashan.

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016
लोकसंगीत
प्रथम प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः– प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर दीजिये ।
छठवां प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

इकाई–1

1. लोकसाहित्य और लोकजीवन एक दूसरे से किस तरह संबंधित है ? सोदाहरण लिखिये । 06

अथवा

'लोकगीतों में लोकचेतना' इस विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिये ।

इकाई–2

2. 'लोकसाहित्य में नारी चेतना' विषय पर अपने विचार लिखिये । 06

अथवा

आधुनिक परिवेश में लोकगीतों के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालिये ।

इकाई–3

3. लोकगीतों की मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं प्रलेखन की जरूरत क्यों है ? कारणों का उल्लेख कीजिये । 06

अथवा

लोकगीत संग्रहण की वैज्ञानिक पद्धतियों पर प्रकाश डालिये ।

इकाई–4

4. लोकगीत की उत्पत्ति एवं विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लोकगीत का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिये । 06

अथवा

प्रहेलिका(पहेली) की उत्पत्ति, विशेषता एवं वर्गीकरण पर प्रकाश डालिये ।

IKSV MMXVI-XVII 18

इकाई–5

5. भारत की किन्हीं दो जनजातियों के दो-दो लोकगीतों को भावार्थ सहित लिखिये । 06

अथवा

अपने प्रदेश के किसी एक प्रमुख पर्व का उल्लेख करते हुए उसमें गाए जाने वाले लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन प्रस्तुत कीजिये ।

6. **हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः–** 05

अ– लोकगाथा चंदैनी एक प्रेमगाथा है ।
ब– अन्नदान का पर्व छेरछेरा क्वाँर पूर्णिमा को मनाया जाता है ।
स– 'छितका कुरिया म बाघ गुर्राय' पहेली का उत्तर बादल है ।
द– अक्षय तृतीया का लोकरूप अक्ती है ।
इ– गोविन्द निर्मलकर पंडवानी के कलाकार थे ।

xx

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016
लोकसंगीत
द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर दीजिये ।
छठवां प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

इकाई-1

1. मंदिरों में अंकित लोकनृत्यों की मुद्राओं से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से समझाइये । 06

अथवा

श्रम प्ररिहार से संबंधित लोकगीत का वर्णन करते हुए श्रम गीत एवं लोक गीत के अन्तर्सम्बन्ध को लिखिये ।

इकाई-2

2. लोकसंगीत एवं शास्त्रीय संगीत में अन्तर स्पष्ट कीजिये । 06

अथवा

लोकनृत्य की विशेषता को स्पष्ट करते हुए लोकनृत्य में लोकगीत की उपयोगिता को समझाइये ।

इकाई-3

3. लोकनृत्यों में आधुनिकता का प्रभाव होने के बाद भी मौलिक स्वरूप बचा रहेगा ? इस पर सारगर्भित लेख लिखिये । 06

अथवा

व्यावसायिक लोकनृत्य से आप क्या समझते हैं ? कोई एक व्यावसायिक लोकनृत्य का वर्णन कीजिये ।

इकाई-4

4. "कुल्लू दशहरा' के धार्मिक महत्व को लिखिये । 06

अथवा

बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को बताते हुए सांस्कृतिक एवं सामाजिक मिलन को उद्धृत कीजिये ।

IKSV MMXVI-XVII 19

इकाई-5

5. लोकनृत्य का लोकजीवन में महत्वपूर्ण स्थान है । इस कथन की पुष्टि कीजिये । 06

अथवा

कोई ऐसे लोकनृत्य का वर्णन कीजिये, जिसमें समाज के विभिन्न पहलुओं का दर्शन होता है ।

6. **सही/गलत लिखियेः-** 05

अ- चेरजा लोकवाद्य बोडो जनजाति का है ।
ब- मावली परघाव कुल्लू दशहरा में होता है ।
स- ढूंगरू छत्तीसगढ़ का घनवाद्य है ।
द- पद्मश्री गुलाबो बाई घूमर की कलाकार है ।
इ- राम सहाय पांडे राई के मृदंग वादक हैं ।

xx